देश में राज्यवार जनसंख्या वृद्धि को आगे दर्शाया गया है–

भारत में राज्यवार प्रतिशत दशकीय वृद्धि दर तथा औसत वार्षिक वृद्धि दर (1991-2001 तथा 2001-11) के अंतिम आँकड़े

भारत/राज्य/संघ शासित प्रदेश	कुल जनसंख्या		प्रतिशत दशकीय वृद्धि दर		औसत वार्षिक वृद्धि दर	
	2001	2011	1991-2001	2001-11	1991-2001	2001-11
भारत	1,028,737,436	1,210,569,573	21·54	17·7	1·93	1·47
जम्मू-कश्मीर	10,143,700	12,541,302	29·43	23·6	2·55	1·97
हिमाचल प्रदेश	6,077,900	6,864,602	17·54	12·9	1·62	1·06
पंजाब	24,358,999	27,743,338	20·10	13·9	1·80	1·14
चंडीगढ़*	900,635	1,055,450	40·28	17·2	3·39	1·42
उत्तराखण्ड	8,489,349	10,086,292	20·41	18·8	1·76	1·59
हरियाणा	21,144,564	25,351,462	28·43	19·9	2·47	1·65
दिल्ली*	13,850,507	16,787,941	47·02	21·2	3·81	1·74
राजस्थान	56,507,188	68,548,437	28·41	21·3	2·49	1·78
उत्तर प्रदेश	166,197,921	199,812,341	25·61	20·2	2·30	1·67
बिहार	82,998,509	104,099,452	28·62	25·4	2·50	2·08
सिक्किम	540,851	610,577	33·06	12·9	2·85	1·03
अरुणाचल प्रदेश	1,097,968	1,383,727	27·00	26·0	2·33	2·16
नगालैण्ड	1,990,036	1,978,502	64·53	–0·6	4·97	–0·03
मणिपुर	2,293,896	2,570,390	24·86	18·6	2·63	1·55
मिजोरम	888,573	1,097,206	28·82	23·5	2·56	1·89
त्रिपुरा	3,199,203	3,673,917	16·03	14·8	1·46	1·22
मेघालय	2,318,822	2,966,889	30·65	27·9	2·62	2·31
असम	26,655,528	31,205,576	18·92	17·1	1·73	1·41
पश्चिम बंगाल	80,176,197	91,276,115	17·77	13·8	1·64	1·16
झारखण्ड	26,945,829	32,988,134	23·36	22·4	2·09	1·86
ओडिशा	36,804,660	41,974,218	16·25	14·0	1·48	1·16
छत्तीसगढ़	20,833,803	25,545,198	18·27	22·6	1·66	1·88
मध्य प्रदेश	60,348,023	72,626,809	24·26	20·3	2·18	1·69
गुजरात	50,671,017	60,439,692	22·66	19·3	2·03	1·59
दमन एवं दीव*	158,204	243,247	55·73	53·8	4·42	4·62
दादरा एवं नगर हवेली*	220,490	343,709	59·22	55·9	4·65	4·62
महाराष्ट्र	96,878,627	112,374,333	22·73	16·0	2·04	1·33
आन्ध्र प्रदेश	76,210,007	84,580,777	14·59	11·0	1·30	0·92
कर्नाटक	52,850,562	61,095,297	17·51	15·6	1·59	1·30
गोवा	1,347,668	1,458,545	15·21	8·2	1·39	0·72
लक्षद्वीप*	60,650	64,473	17·30	6·3	1·59	0·51
केरल	31,841,374	33,406,061	9·43	4·9	0·90	0·40
तमिलनाडु	62,405,679	72,147,030	11·72	15·6	1·06	1·30
पुदुचेरी*	974,345	1,247,953	20·62	28·1	1·87	2·31
अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह*	356,152	380,581	26·90	6·9	2·39	0·55

* केन्द्रशासित प्रदेश

भारत में जनसंख्या वृद्धि के निम्नलिखित कारण हैं—

(1) उच्च जन्म-दर, (2) निम्न मृत्यु-दर, (3) गर्म जलवायु, (4) अशिक्षा एवं निम्न जीवन स्तर, (5) विवाह की अनिवार्यता, (6) स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि आदि.

जनसंख्या समस्याएँ—भारत की जनसंख्या में तीव्रगति से विकास हो रहा है. यह समस्या विश्वव्यापी है. सीमित संसाधनों एवं निरन्तर बढ़ती जनसंख्या के कारण पृथ्वी की पोषण क्षमता असन्तुलित होती जा रही है.

जनसंख्या सम्बन्धी सबसे बड़ी समस्या उसकी वृद्धि दर है. यहाँ 1951 में जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1·26 थी, जो 1981 में 2·46 तथा 1991 में 2·35 हो गयी तथा 2001 में 1·95 तथा 2011 में 1·47 रह गई. यद्यपि वार्षिक वृद्धि दर कम हुई फिर भी यह स्थिति जनसंख्या विस्फोट की स्थिति उत्पन्न करती है. देश में जनसंख्या वृद्धि से निम्नलिखित समस्याएँ उत्पन्न होती हैं—

(1) जनसंख्या की असाधारण वृद्धि, (2) सीमित भूखण्ड, (3) जनसंख्या का असमान वितरण, (4) प्राकृतिक संसाधनों पर जनसंख्या का दबाव, (5) प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग न हो पाना तथा (6) अन्य प्राकृतिक आपदाएँ एवं युद्ध आदि.

देश में जनसंख्या वृद्धि एक भयावह समस्या है. अतः इसे रोकने के लिए निम्न उपाय करने चाहिए—

(1) देरी से विवाह, (2) उत्पादन में वृद्धि, (3) औद्योगिक विकास, (4) शिक्षा का प्रसार, (5) नगरीकरण, (6) स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, (7) सामाजिक सुरक्षा का विकास, (8) परिवार नियोजन एवं सन्तति निग्रह एवं (9) सन्तति सुधार आदि.

भारत में साक्षरता—स्वतन्त्रता के बाद भारत में साक्षरता में वृद्धि होती रही है. 1951 की जनगणना के अनुसार देश में साक्षरता का प्रतिशत 18·33 था जो 1961 में बढ़कर 28·31%, 1971 में 34·45%, 1981 में 43·57%, 1991 में 52·21% तथा 2001 में 64·8% हो गया और 2011 में 73·0 हो गया.

भारत में साक्षरता दर (1951 से 2011 तक)

वर्ष	व्यक्ति	पुरुष	महिलाएँ	स्त्री-पुरुषों में साक्षरता-दर का अन्तर
1951	18·33	27·16	8·86	18·30
1961	28·30	40·40	15·35	25·05
1971	34·45	45·96	21·97	23·99
1981	43·57	56·38	29·76	26·62
1991	52·21	64·13	39·29	24·84
2001	64·8	75·3	53·7	21·6
2011	73·0	81·9	64·6	16·3

2011 की जनगणना के अनुसार 23 राज्य व केन्द्र शासित प्रदेशों में साक्षरता प्रतिशत राष्ट्रीय औसत (73·0%) से अधिक है. इनमें सर्वाधिक साक्षरता वाला राज्य केरल है, जहाँ साक्षरता दर 94·0 प्रतिशत है. इसके बाद द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः लक्षद्वीप (91·8%) एवं मिजोरम (91·3%) हैं.

देश में 12 राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से कम है. इनमें सबसे ऊपर ओडिशा (72·9%) है तथा देश में सबसे कम साक्षरता वाला राज्य बिहार है, जहाँ की साक्षरता 61·8% है. राज्यवार साक्षरता को नीचे तालिका में दर्शाया गया है—

साक्षरता दर (2011) के अनुसार राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों का क्रम (अन्तिम आँकड़े)

क्रम	राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश	साक्षरता दर
1.	केरल	94·0
2.	लक्षद्वीप	91·8
3.	मिजोरम	91·3
4.	गोवा	88·7
5.	पुदुचेरी	85·5
6.	चण्डीगढ़	86·0
7.	दिल्ली	86·2
8.	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह	86·6
9.	दमन एवं दीव	87·1
10.	महाराष्ट्र	82·3
11.	हिमाचल प्रदेश	82·8
12.	तमिलनाडु	80·1
13.	त्रिपुरा	87·2
14.	उत्तराखण्ड	78·8
15.	मणिपुर	79·2
16.	पंजाब	75·8
17.	गुजरात	78·0
18.	सिक्किम	81·4
19.	पश्चिम बंगाल	76·3
20.	हरियाणा	75·6
21.	नगालैण्ड	79·6
22.	कर्नाटक	75·4
23.	छत्तीसगढ़	70·3
24.	मध्य प्रदेश	69·3
25.	असम	72·2
26.	ओडिशा	72·9
27.	मेघालय	74·4
28.	आन्ध्र प्रदेश	69·0
29.	राजस्थान	66·1
30.	दादरा एवं नागर हवेली	76·2
31.	उत्तर प्रदेश	67·7
32.	जम्मू-कश्मीर	67·2
33.	अरुणाचल प्रदेश	65·4
34.	झारखण्ड	66·4
35.	बिहार	61·8

1901 में भारत की जनसंख्या 23,83,96,327 थी, जो 1911 में बढ़कर 25,20,93,390 हो गई. इस प्रकार इस दशक में 5·75% जनसंख्या वृद्धि हुई. 1921 में जनसंख्या कम हो गई. अतः 0·31% जनसंख्या का ह्रास हुआ. उस समय भारत में अकाल, महामारी, प्लेग, हैजा, जुकाम आदि भयंकर बीमारियाँ व्याप्त थीं. अतः जनसंख्या कम बढ़ी. ऐसे समय में स्वास्थ्य सेवाओं का भी विकास बहुत कम हुआ था जिसका प्रभाव जनसंख्या कमी पर पड़ा. 1891 से 1921 तक जनसंख्या वृद्धि दर धीमी रही, किन्तु 1921 के बाद से जनसंख्या तेजी से बढ़ने लगी. 1921 के बाद से जनसंख्या मृत्युदर में कमी आयी. 1921 से 1931 के दशक में जनसंख्या बढ़कर 31,86,60,580 हो गई. इस प्रकार यह वृद्धि दर 11·00% रही. 1931 से 1941 के दशक में 3,96,83,342 व्यक्तियों की वृद्धि हुई, जो 14·22% थी. 1921-51 के मध्य जनसंख्या वृद्धि 43·7% थी. जो 1901-21 की तुलना में लगभग 8 गुनी थी.

1951 में देश विभाजन के फलस्वरूप देश की जनसंख्या में 13·31% की वृद्धि हुई. 1961 में भारत की जनसंख्या 43,92,34,771 हो गई. 1951-61 के दशक में जनसंख्या वृद्धि 21·51% थी. 1971 में भारत की जनसंख्या तीव्रगति से बढ़ी और जनसंख्या 54,81,59,632 हो गई. इस दशक में 10,89,24,881 व्यक्तियों की बढ़ोत्तरी हुई. इस समय 24·80% व्यक्तियों की वृद्धि हुई, जो बीसवीं शताब्दी की सर्वाधिक वृद्धि मानी जाती है. 1991 में अन्तिम आँकड़ों के आधार पर यहाँ की जनसंख्या 84·63 हो गई. 1981-91 के दशक में 23·50% की वृद्धि हुई. 2001 की जनगणना के अंतिम आँकड़ों के अनुसार भारत की जनसंख्या 1,02,87,37,436 हो गयी है. 1991–2001 की जनगणना के दौरान देश की कुल जनसंख्या में 21·54% की वृद्धि हुई है. 2001-11 को मध्य जनसंख्या 1,21,05,69,573 हो गई और कुल वृद्धि दर 17·7% रही.

भारत में जनसंख्या वृद्धि को नीचे दर्शाया गया है–

जनगणना वर्ष	जनसंख्या (करोड़ में)	दशक में परिवर्तन (करोड़ में)	दशक में वृद्धि की दर (प्रतिशत में)
1901	23·84	+ 0·24	—
1911	25·21	+ 1·37	+ 5·75
1921	25·13	− ·08	− 0·31
1931	27·90	+ 2·77	+ 11·00
1941	31·87	+ 3·97	+ 14·22
1951	36·11	+ 4·24	+ 13·31
1961	43·92	+ 7·81	+ 21·64
1971	54·82	+ 10·90	+ 24·80
1981	68·33	+ 13·51	+ 24·66
1991	84·64	+ 16·30	+ 23·87
2001	102·87	+ 18·24	+ 21·54
2011	121·05	+ 18·18	+ 17·7